(c) whether the recommendations of the Bureau will be advisory or mandatory ; and

(d) if advisory, what is the practical use of setting up the Bureau ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) and (b). A statement is attached.

(c) The recommendations of the Bureau will be advisory.

(d) There is need for thorough-going studies into cost aspects of industries and the efficiency of industrial units, and the advice of the Bureau would assist Government in formulating policies calculated to bring down costs and to increase industrial efficiency.

Statement

1. A copy of the Resolution constituting the Bureau, which sets out in broad terms the functions of the Bureau, is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-3253/70].

2. Shri N. N. Wanchoo, former Secretary to the Government of India in the Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs, has been appointed as whole-time Chairman at an overall salary (including pension and pensionary benefits) of Rs. 4000/- per month.

As for the other members of the Bureau, it has been decided that there would, for the moment, be two whole-time members at a salary of Rs. 2500-2750. Appointments to these posts are yet to be made. In addition, the Director-General of Technical Development, and the Economic Adviser, Ministry of Industrial Development, Internal Trade & Company Affairs, and Ministry of Foreign Trade would be *ex-officio* members of the Bureau.

Export of Bicycles

6855. SHRI BABURAO PATEL : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) the total number and value of bicycles exported annually in 1968 and 1969 with names of countries where they were exported ;

(b) whether it is a fact that there is an acute shortage of materials like steel, strips, bars, tubes and wire required to manufacture the component parts in a bicycle ;

(c) if so, the reasons therefor ;

(d) the steps taken by Government to ensure steady export of bicycles and their components ; and

(e) if no steps have been taken in the matter, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) Export of bicycles in 1968 and 1969 was as follows :—

Year	*Total Number*	*Value (Rs.)*	*Countries*
April 1968 to March 1969	1,17,267	1,38,79,061	Iran, Iraq, Kenya, U. K., U.S.A., Sudan, Afghanistan, Indonesia, Singapore, Nigeria and Zambia.
April 1969 to Decr. 1969	1,03,799	1,19,41,119	

(b) and (c). After a period of recession which started lifting from last year, there is a large spurt in domestic demand of steel products like strips, bars, tubes etc. from the engineering and construction industries as a whole. This led to additional claim on the available supplies. Further Domestic production of the various categories of steel has not kept pace with the increasing demand in the country.

(d) and (e). Government has already decided that in so far as engineering exports including bicycle exports are concerned, the domestic shortage of steel would not be allowed to arrest their growth-rate. In pursuance of this decision, 35,000 tonnes of steel plates, sheets and strips are being imported through Hindustan Steel Limited for supply to export fabricators of engineering goods including

bicycle manufacturers for export purposes and for supplementing indigenous availability. Further imports on this account during 1970-71 are also being considered by Government.

रेलवे बुक स्टाल पर सर्वोदय साहित्य की बिक्री

6856. **श्री जगेश्वर यादव :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में लगभग सभी रेलवे स्टेशनों पर विभिन्न प्रकार का साहित्य बेचने के लिये बुक स्टाल हैं, यदि हां, तो रेलवे स्टेशन पर बुक स्टाल स्थापित करने के लिये किस प्रकार अनुमति लेनी होती है और क्या सरकार उपर्युक्त स्टालों पर बेचे जाने वाले साहित्य का समय-समय पर निरीक्षण करती है ;

(ख) क्या नई दिल्ली तथा दिल्ली मेन स्टेशनों की तरह अन्य स्टेशनों पर भी सर्वोदय साहित्य की बिक्री के लिये स्टाल स्थापित किये गये हैं ; और

(ग) क्या सरकार सर्वोदय साहित्य की बिक्री के लिये स्टाल स्थापित करने हेतु कुछ विशेष रियायतें देगी जिससे गांधी विचारधारा के प्रचार के लिये उच्चकोटि का साहित्य उपलब्ध किया जा सके और इस प्रकार लोग अधिष्ट साहित्य को पढ़ना बन्द कर देंगे ?

रेलवे मंत्री (श्री नन्दा) : (क) भारतीय रेलों में महत्वपूर्ण स्टेशनों पर विभिन्न प्रकार के साहित्य बेचने के लिये बुक-स्टालों की व्यवस्था की गयी है।

बुक-स्टालों का ठेका देने के सम्बन्ध में सामान्य नीति यह रही है कि आवेदन-पत्र मांगने के बाद ऐसे ठेके उन फर्मों को दिये जाते हैं जो पहले से ही किताब बेचने का व्यवसाय कर रहे हों। बड़े स्टेशनों पर ये ठेके सुप्रसिद्ध पुस्तक विक्रेताओं को दिये जाते हैं ताकि यात्री-जनता को किताबों और पत्रिकाओं का अच्छा भण्डार बिक्री के लिए हर समय उपलब्ध रहे। छोटे स्टेशनों पर ये ठेके यथासम्भव स्थानीय पुस्तक विक्रेताओं को दिये जाते हैं।

ठेकेदारों को बुक-स्टाल देते समय रायल्टी के रूप में उनसे समुचित लाइसेंस फीस वसूल की जाती है। छोटे स्टेशनों पर बुक स्टालों के मामले में रायल्टी के आधार पर लाइसेंस फीस के बदले एक मुश्त वार्षिक लाइसेंस फीस ली जाती है। ठेकेदारों के द्वारा बिक्री के लिए रखी गयी पुस्तकों आदि का स्तर देखने और अवांछनीय पुस्तकों को छांटने के सम्बन्ध में निरीक्षण अधिकारियों द्वारा स्टेशनों पर बुक-स्टालों का बार-बार निरीक्षण किया जाता है।

(ख) नयी दिल्ली और दिल्ली स्टेशनों के अलावा 20 अन्य रेलवे स्टेशनों पर भी सर्वोदय बुक स्टालों की व्यवस्था की गयी है।

(ग) 36 स्टेशनों पर सर्वोदय साहित्य की बिक्री के हेतु बुक-स्टाल खोलने के लिये सर्वोदय संस्थाओं को अनुमति दी गयी है लेकिन अभी तक केवल 22 स्टेशनों पर ही ऐसे बुक-स्टाल खोले गये हैं।

भारत में बाल-विवाह

6857. **श्री जगेश्वर यादव :** क्या विधि तथा समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बाल-विवाह अधिनियम के बावजूद भारत में प्रतिवर्ष लाखों बाल-विवाह होते हैं ; और

(ख) यदि हां, तो भारत में बाल-विवाहों को रोकने के लिये सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

विधि मंत्रालय और समाज कल्याण विभाग में उपमंत्री (श्री मु० यूनुस सलीम) : (क) सरकार के पास इस विषय में कोई